बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग

विकास आयुक्त, बिहार की अध्यक्षता में दिनांक–03.08.2018 को अल्प वर्षापात/संभावित बाढ़ से निपटने हेतु आपातकालीन प्रबंधन समूह (CMG) की बैठक की कार्यवाही।

---

1. उपस्थिति– संलग्न।

2. <u>भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (IMD)</u>

निदेशक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा बताया गया कि अभी तक राज्य में औसत वर्षापात में कमी 21 प्रतिशत है तथा 19 प्रतिशत से अधिक विचलन वाले जिलों की संख्या 27 है, जिसमें 50 प्रतिशत से अधिक विचलन वाले जिलों की संख्या 3 **(सहरसा, सारण, वैशाली)** है। सामान्य वर्षापात वाले जिलों की संख्या 11 (**औरंगाबाद, बांका, भभुआ, भागलपुर, बक्सर, गया, किशनगंज, मधुबनी, रोहतास, सीतामढ़ी एवं पश्चिम चम्पारण**) है।

उनके द्वारा यह भी बताया गया है कि आगामी सप्ताह में अच्छी बारिश होने की संभावना है। 6–7 अगस्त 2018 से झारखंड राज्य में अधिक वर्षा की संभावना है, जिसका प्रभाव झारखंड से सटे बिहार के जिलों में भी पड़ेंगा। माह अगस्त में widespread rainfall होने की संभावना है।

3. कृषि विभाग

कृषि विभाग के प्रधान सचिव द्वारा बताया गया कि राज्य में धान का बीचड़ा का आच्छादन 98.17 प्रतिशत है तथा धान रोपनी का आच्छादन 62.74 प्रतिशत है एवं मक्का का आच्छादन 77.65 प्रतिशत है। डीजल अनुदान के संबंध में बताया गया है कि ऑन लाईन आवेदन प्राप्त कर अनुदान की राशि वितरण की कार्रवाई की जा रही है। वैकल्पिक फसल योजना अन्तर्गत किसानों के आवश्यकता के अनुसार बीजों का प्रबंध कर लिया गया है, जिन्हें उनकी मांग पर निःशुल्क उपलब्ध करा दिया जाएगा। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि दिनांक 31.07.2018 को माननीय मुख्य मंत्री की अध्यक्षता में सम्पन्न CMG की बैठक में 5 जिले यथा मुजफ्फरपुर, वैशाली, सारण, पटना एवं नालन्दा में कम वर्षापात के आलोक में फसल आच्छादन की स्थिति पर नजर रखने का निदेश दिया गया था, जिसकी अद्यतन स्थिति निम्न है :–

जिला का नाम	IMD के अनुसार औसत वर्षापात में कमी (प्रतिशत में)	धान का बीचड़ा का आच्छादन (प्रतिशत में)	धान का आच्छादन (प्रतिशत में)	मक्का का आच्छादन (प्रतिशत में)
मुजफ्फरपुर	48	93.80	64.48	73.72
वैशाली	63	82.00	39.05	91.30
सारण	54	100.00	57.00	97.00
पटना	34	100.00	36.93	93.75
नालन्दा	29	98.96	28.82	44.88

उनके द्वारा यह भी बताया गया कि नालन्दा जिला के अतिरिक्त बांका, लखीसराय, गया, मुंगेर एवं नवादा में भी 30 प्रतिशत से कम धान की रोपनी हुई है। इनमें से बांका जिला में देर से रोपनी होने के कारण आच्छादन का प्रतिशत कम है, परन्तु अन्य जिलों में विलंब से वर्षा होने के कारण फसल आच्छादन का प्रतिशत कम हुआ है। इसे भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा वर्षापात के संबंध में की गई भविष्यवाणी के आलोक में अच्छी वर्षापात होने पर ससमय धान रोपनी का आच्छादन का लक्ष्य पूरा होने की संभावना है।

विकास आयुक्त के द्वारा यह निदेश दिया गया है कि कम आच्छादन वाले जिलों में स्थिति पर सत्त निगरानी रखी जाय। वैकल्पिक फसल अन्तर्गत किसानों को उनके आवश्यकता के अनुसार शीघ्र बीज उपलब्ध करा दिया जाय तथा डीजल अनुदान के संबंध में प्राप्त आवेदनों पर कार्रवाई शीघ्र की जाय।

4. स्वास्थ्य विभाग

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव द्वारा बताया गया है कि आवश्यक दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है। अल्प वर्षापात एवं संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारी विभाग द्वारा पूरी कर ली गई है।

विकास आयुक्त के द्वारा निदेश दिया गया कि अल्प वर्षापात एवं संभावित बाढ़ की स्थिति पर निगरानी रखी जाय।

5. पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के प्रधान सचिव के द्वारा बताया गया कि राज्य में चिन्हित बाढ़ राहत शिविरों की संख्या 1197 है। जबकि चिन्हित सुखाड़ राहत शिविरों की संख्या 1473, जो जल के स्रोत के पास है। बाढ़/सुखाड़ की स्थिति में पशु चारा–दाना की उपलब्धता हेतु दर एवं आपूर्तिकर्त्ता का निर्धारण कर लिया गया है तथा आपूर्तिकर्त्ता के भंडारण का भौतिक सत्यापन भी कर ली गई है। पशु दवा का क्रय कर वितरण पशु चिकित्सालयों में कराया गया है। पशु रोग निरोधन अन्तर्गत एच0एस0–बी0क्यू0 टीकाकरण के तहत 1.65 करोड़ पशुओं के लक्ष्य के विरूद्ध 1.6489242 करोड़ पशुओं, एफ0एम0डी0 टीकाकरण के तहत 1.658 करोड़ पशुओं को टीकाकरण कराया जा चूका है। 1.285 करोड़ पशुओं को कृमि नाशक दवा दी जा चुकी है।

विकास आयुक्त के द्वारा निदेश दिया गया कि अल्प वर्षापात अथवा बाढ़ की स्थिति होने पर विभाग द्वारा की गई व्यवस्था पर लगातार अनुश्रवण किया जाय।

6. जल संसाधन विभाग

जल संसाधन विभाग के प्रतिवेदन के अनुसार सोन नहर प्रणाली के अन्तर्गत सोन नदी के इन्द्रपुरी बराज पर 23174 घनसेक जलस्राव उपलब्ध है। पूर्वी एवं पश्चिमी संयोजक नहरों में क्रमशः 4660 एवं 6285 घनसेक जलस्राव प्रवाहित किया जा रहा है। उत्तर कोयल नहर प्रणाली के अन्तर्गत उत्तर कोयल नदी में 10870 घनसेक जलस्राव उपलब्ध है। गंडक नहर प्रणाली के अन्तर्गत बाल्मीकीनगर बराज पर 167000 घनसेक जलस्राव उपलब्ध है, जिससे पूर्वी एवं पश्चिमी मुख्य नहरों में क्रमशः 8500 एवं 11000 घनसेक जलस्राव प्रवाहित किया जा रहा है। कोशी नहर प्रणाली के अन्तर्गत वीरपुर बराज पर 140290 घनसेक जलस्राव उपलब्ध है, जिससे पूर्वी एवं पश्चिमी कोशी मुख्य नहरों में क्रमशः 6500 एवं 3000 घनसेक जलस्राव प्रवाहित किया जा रहा है तथा जलाशय/वीयर योजनाएँ से पानी की उपलब्धता एवं किसानों द्वारा पानी की मांग के अनुसार नहरों में जलस्राव प्रवाहित किया जा रहा है। राज्य के वृहत एवं मध्यम सिंचाई योजनाओं से कुल 2108039 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की लक्ष्य के विरूद्ध कुल 107114 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई उपलब्ध करायी गई है।

विकास आयुक्त के द्वारा निदेश दिया गया है कि नहरों के जलस्राव पर विशेष ध्यान दिया जाय, और जल के अंतिम छोड़ तक पहुँचने की व्यवस्था पर निगरानी रखी जाय।

7. लघु जल संसाधन विभाग

लघु जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव द्वारा बताया गया है कि कुल 10242 नलकूप के विरूद्ध 4835 नलकूप चालू स्थिति में है, जिससे 1210.11 हेक्टेयर में सिंचाई की जा रही है। इस सप्ताह 51 विद्युत/यांत्रिक दोष से बंद पड़े नलकूपों को चालू किया गया है।

विकास आयुक्त के द्वारा दिनांक 31.07.2018 को माननीय मुख्य मंत्री की अध्यक्षता में सम्पन्न CMG की बैठक में दिए गए निदेश के आलोक में राजकीय नलकूपों को निजी व्यक्तियों को हस्तानान्तरित करने हेतु कार्रवाई करने का निदेश दिया गया।

8. लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग

लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के सचिव द्वारा बताया गया कि राज्य में दक्षिण भाग के 17 जिलों में Median Value के आधार पर जुलाई 2017 की तुलना में जुलाई 2018 (अन्तिम सप्ताह) में औसत भू–जलस्तर गिरावट वाले जिलों में भोजपुर तथा भागलपुर में 0′ से 01′ के बीच तथा जमुई में 2′–3′ के बीच भू–जल स्तर में गिरावट है।

राज्य के उत्तरी भाग के 21 जिलों का Median Value के आधार पर जुलाई 2017 की तुलना में जुलाई 2018 (अन्तिम सप्ताह) में औसत भू–जलस्तर गिरावट वाले जिलों में

सारण, गोपालगंज, बेगूसराय, कटिहार, दरभंगा, पूर्वी चम्पारण, सुपौल, मधेपुरा एवं किशनगंज में 0'–1' के बीच सिवान एवं समस्तीपुर में 1'–2' के बीच तथा वैशाली में 2'–3' के बीच भू–जल स्तर में गिरावट है।

अबतक 137 टैंकरो के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है, जिसमें नालन्दा, गया, जहानाबाद, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर, नवादा, भागलपुर, मुंगेर, जमुई, दरभंगा, मुजफ्फरपुर एवं वैशाली जिला के 28 प्रखण्डों के 53 पंचायत शामिल हैं। वर्त्तमान वर्ष 2018–19 में अबतक 73559 चापाकलों की मरम्मति करायी गयी है तथा मरम्मति हेतु गैंग की संख्या 1101 है। चापाकल मरम्मति हेतु 4575 प्राप्त शिकायत के विरूद्ध 3200 शिकायतों का निष्पादन किया जा चुका है।

विकास आयुक्त के द्वारा भू–जल स्तर पर निगरानी रखने तथा चापाकल मरम्मति में तेजी लाने का निदेश दिया गया।

बैठक सधन्यवाद समाप्त हुई।

ह0/–
(शशि शेखर शर्मा)
विकास आयुक्त
बिहार।

ज्ञापांक ..../आ0प्र0 पटना–15, दिनांक–

प्रतिलिपिः– प्रधान सचिव/सचिव, कृषि विभाग/जल संसाधन विभाग/लघु जल संसाधन विभाग/ऊर्जा विभाग/ स्वास्थ्य विभाग/पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग/ग्रामीण विकास विभाग/ लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, बिहार, पटना/निदेशक, सांख्यिकी एवं मूल्यांकन निदेशालय/ निदेशक, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, फुलवारी शरीफ, पटना/ क्षेत्रीय निदेशक केन्द्रीय भू–जल आयोग, 6 एवं 7वां तल, लोकनायक जय प्रकाश भवन, फ्रेजर रोड, पटना/ कार्यपालक अभियंता, मिडिल गंगा डिविजन–5, केन्द्रीय जल आयोग, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

ह0/–
(एम0 रामचन्द्रुडु)
अपर सचिव

ज्ञापांक ..../आ0प्र0 पटना–15, दिनांक–

प्रतिलिपिः– मुख्य सचिव, बिहार के विशेष कार्य पदाधिकारी/विकास आयुक्त, बिहार के प्रधान आप्त सचिव को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

ह0/–
अपर सचिव

ज्ञापांक ....2121..../आ0प्र0 पटना–15, दिनांक– 9/8/18

प्रतिलिपिः– प्रधान सचिव के प्रधान आप्त सचिव/आई0टी0 मैनेजर, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार, पटना (विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने हेतु) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यार्थ प्रेषित।

(39)

08/08/18
अपर सचिव